



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 960]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 8, 2015/वैशाख 18, 1937

No. 960]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 8, 2015/VAISAKHA 18, 1937

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मई, 2015

का.आ. 1234(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि राजस्थान राज्य के राजसमन्द जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 के 177.000 कि.मी. से 245.000 कि.मी. तक के भूखण्ड (गोमती चौराहा से उदयपुर सेक्शन) के निर्माण (चौड़ा करने/चार लेन का बनाने, आदि), अनुरक्षण, प्रबंध और प्रचालन के लोक प्रयोजन के लिए वह भूमि अपेक्षित है, जिसका संक्षिप्त वर्णन नीचे अनुसूची में दिया गया है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर आक्षेप कर सकेगा ;

ऐसा प्रत्येक आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् अपर जिला मजिस्ट्रेट, राजसमन्द को लिखित रूप में किया जाएगा और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप में या किसी विधि व्यवसायी द्वारा सुने जाने का अवसर देगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच करने के पश्चात्, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आक्षेपों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा ;

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा ;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि के भूरेखांक और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के उक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है ।

अनुसूची

राजस्थान राज्य के राजसमन्द जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या – 8 के 177.000 कि.मी. से 245.000 कि.मी. तक (गोमती चौराहा से उदयपुर सेक्शन) के लिये अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण ।

क्रम संख्या	जिले का नाम	तालुक का नाम	गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राजसमन्द	नाथद्वारा	नेगड़िया	1999	निजी	मगरी बीड 0.0498	0.0687
						वाणिज्यक 0.0189	
				3225/1999	निजी	मगरी बीड 0.1012	0.1201
						वाणिज्यक 0.0189	
				915	निजी	बाडा	0.0253
				1151	निजी	चाही उत्तम बीड	0.0253
				1112	निजी	चाही उत्तम	0.0063
				1139	निजी	चाही उत्तम	0.0189
				1150	निजी	बाडा	0.0126
				1113	निजी	चाही उत्तम	0.0126
				योग			0.2898
			मजेरा	3208/468	निजी	वाणिज्यक	0.0379
				योग			0.0379
			नाथद्वारा	1564	निजी	बंझण	0.3035
				1565	निजी	आ.चा.	0.0126
				योग			0.3161
			कलाखेड़ी विरान	134/1	निजी	बंझण	0.0063
				134/2	निजी	बंझण	0.0032
				योग			0.0095
			गुंजोल	515	निजी	आबादी	0.0009
				1598/801	निजी	बंझण	0.0063
				योग			0.0072
			नाथुवास	620	निजी	चाही उत्तम	0.0025
				योग			0.0025
				कुल योग			0.6630

[फा.सं. भाराराप्रा / 15022 / 2 / 2011—आरओजे / एलए / जीयू]

माया प्रकाश, निदेशक

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th May, 2015

S.O. 1234(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 3A of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government, after being satisfied that for the public purpose, the land, the brief description of which is given in the Schedule below, is required for building (widening/four laning, etc.), maintenance, management and operation of National Highway No.08, in the stretch of land from Km. 177.000 to 245.000 (Gomati Chouraha to Udaipur Section) in the District of Rajsamand in the State of Rajasthan, hereby declares its intention to acquire such land;

Any person interested in the said land may, within twenty-one days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, object to the use of such land for the aforesaid purpose under sub-section (1) of Section 3C of the said Act;

Every such objection shall be made to the competent authority, namely, the Additional District Magistrate, Rajsamand, in writing and shall set out the grounds thereof and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard, either in person or by a legal practitioner, and may, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as the competent authority thinks necessary, by order, either allow or disallow the objections;

Any order made by the competent authority under sub-section (2) of Section 3C of the said Act shall be final;

The land plans and other details of the land covered under this notification are available and can be inspected by the interested person at the aforesaid office of the competent authority.

SCHEDULE

Brief description of land to be acquired with or without structure falling within the stretch of land from km. 177.000 to km. 245.000 (Gomati Choraha to Udaipur Section) of the National Highway No. 8 in the State of Rajasthan.

Serial number	Name of the district	Name of the taluka	Name of the village	Survey number	Type of land	Nature of land	Area in hectares
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Rajsamand	Nathdwara	Negdiya	1999	Private	Magri Beed 0.0498	0.0687
						Commercial 0.0189	
				3225/1999	Private	Magri Beed 0.1012	0.1201
						Commercial 0.0189	
				915	Private	Bada	0.0253
				1151	Private	Chahi Uttam Beed	0.0253
				1112	Private	Chahi Uttam	0.0063
				1139	Private	Chahi Uttam	0.0189
				1150	Private	Bada	0.0126
				1113	Private	Chahi Uttam	0.0126
				Total			0.2898

			Majera	3208/468	Private	Commercial	0.0379
				Total			0.0379
			Nathdwara	1564	Private	Banjad	0.3035
				1565	Private	Aa.Cha.	0.0126
				Total			0.3161
			Kallakhedi Viran	134/1	Private	Banjad	0.0063
				134/2	Private	Banjad	0.0032
				Total			0.0095
			Gunjol	515	Private	Aabadi	0.0009
				1598/801	Private	Banjad	0.0063
				Total			0.0072
			Nathuwas	620	Private	Chahi Uttam	0.0025
				Total			0.0025
				G.Total			0.6630

[F.No. NHAI/15022/2/2011-ROJ/LA/GU]

MAYA PRAKASH, Director